1. **स्टारलिंक:** हाल ही में, स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार से स्वीकृति प्राप्त हुई है।
   - **इसके बारे में:** स्टारलिंक, SpaceX द्वारा लॉन्च किया गया सैटेलाइट इंटरनेट प्रोजेक्ट है, जो विशेष रूप से दूरस्थ और अविकसित क्षेत्रों में वैश्विक इंटरनेट कनेक्टिविटी को बदल रहा है।
   - **उद्देश्य:** दुनिया भर में उच्च गति, कम विलंबता वाला ब्रॉडबैंड इंटरनेट प्रदान करना।
   - **प्रमुख जानकारियाँ:** SpaceX द्वारा संचालित, जिसकी स्थापना एलन मस्क ने की थी।
     - **5,000 से अधिक LEO सैटेलाइट्स** (और बढ़ रहे हैं) का उपयोग करता है।
     - 50 bps से लेकर 250 Mbps+ तक की गति प्रदान करता है। यह ग्रामीण क्षेत्रों, आपदा क्षेत्रों और कमजोर बुनियादी ढांचे वाले स्थानों के लिए आदर्श है।
   - **प्रभाव और रणनीतिक महत्व: ग्रामीण और दूरस्थ कनेक्टिविटी:** स्टारलिंक ग्रामीण गांवों, पर्वतीय क्षेत्रों और उन सीमा क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी ला सकता है, जहां फाइबर ऑप्टिक अवसंरचना स्थापित करना कठिन या महंगा है।
     - **आपदा प्रतिरोधक क्षमता:** सैटेलाइट इंटरनेट आपदा के दौरान निर्बाध संचार प्रदान करता है, जो बचाव, राहत और समन्वय प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है।
     - **रक्षा और सीमा सुरक्षा:** लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश जैसे संवेदनशील सीमा क्षेत्रों में सुरक्षित और लचीला इंटरनेट उपग्रह के माध्यम से वास्तविक समय की निगरानी, लॉजिस्टिक और सैन्य समन्वय को सुदृढ़ कर सकता है।
     - **शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पहुंच:** उन क्षेत्रों में ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन को सक्षम बनाता है जहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिससे समावेशी विकास के लिए भारत के प्रयासों को समर्थन मिलता है।
     - **स्टार्टअप और नवाचार को प्रोत्साहन:** किफायती सैटेलाइट इंटरनेट स्टार्टअप्स, कृषि-तकनीक प्लेटफार्मों और टियर 2 और टियर 3 शहरों में डिजिटल उद्यमियों को सशक्त बना सकता है।

2. **क्लाउड सीडिंग:** हाल ही में, दिल्ली कैबिनेट ने राजधानी में वायु प्रदूषण और जल संकट से निपटने के लिए क्लाउड सीडिंग परीक्षणों को मंजूरी दी है।
   - **क्लाउड सीडिंग के बारे में:** क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है, जिसका उद्देश्य वर्षा या बर्फबारी जैसी वृष्टि को बढ़ाना है। इसके लिए **सिल्वर आयोडाइड या नमक जैसे पदार्थों को बादलों में छिड़काव किया जाता है।**

- **यह कैसे काम करता है?**
    - **उपयुक्त बादलों की पहचान:** सभी बादलों में सीडिंग नहीं की जा सकती। मौसम वैज्ञानिक उन बादलों की पहचान करते हैं जिनमें पर्याप्त नमी और वर्षा की संभावना होती है।
    - **सीडिंग एजेंट्स का वितरण:** विमान या भूमि-आधारित जनरेटर द्वारा चांदी आयोडाइड, सोडियम क्लोराइड (साधारण नमक), पोटेशियम आयोडाइड, ठोस ड्राई आइस (ठोस CO_2) जैसे रसायनों का छिडकाब किया जाता है।
    - **जल बूँदों का निर्माण:** ये पदार्थ संघनन नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, जिनके चारों ओर जलवाष्प संघनित होकर बड़े जल बूंदों का निर्माण करते है।
    - **वर्षा की शुरुआत:** जैसे-जैसे ये जल कण भारी होते जाते हैं, वे अंततः वर्षा या बर्फ के रूप में गिरने लगते हैं।
- **अनुप्रयोग:**
    - **कृषि:** सूखे के दौरान **फसलों का समर्थन** करने के लिए।
    - **जल प्रबंधन:** जलाशयों को भरने और भूजल पुनर्भरण के लिए।
    - **वायु गुणवत्ता:** कभी-कभी प्रदूषण को कम करने या धूल को दबाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

3. **जेजू द्वीप:** जेजू द्वीप, दक्षिण कोरिया का सबसे बड़ा द्वीप, एक ज्वालामुखीय अद्भुत स्थल है, जो अपनी आकर्षक भौगोलिक संरचनाओं, अद्वितीय जैव विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। कोरियाई प्रायद्वीप के दक्षिणी तट पर स्थित, जेजू में हल्लासन (Hallasan) पर्वत है, जो दक्षिण कोरिया का सबसे ऊँचा पर्वत और निष्क्रिय ज्वालामुखी है, जो द्वीप के आंतरिक भाग में स्थित है।

- **मुख्य आकर्षण:**
    - **यूनेस्को ट्रिपल क्राउन:** जेजू दुनिया का एकमात्र ऐसा स्थान है जिसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, वैश्विक जियोपार्क और बायोस्फीयर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त है।
    - **भूवैज्ञानिक अजूबा:** अपने लावा ट्यूबों, क्रेटर्स और ज्वालामुखीय चट्टानों के लिए प्रसिद्ध, यह द्वीप पृथ्वी के भूगर्भीय अतीत की एक अद्भुत झलक प्रस्तुत करते हैं।
    - **जैव विविधता हॉटस्पॉट:** जेजू अद्वितीय वनस्पतियों और जीवों का समर्थन करता है, जिसमें कई स्थानिक प्रजातियाँ शामिल हैं, जिससे यह पारिस्थितिक संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनता है।

- **सांस्कृतिक धरोहर:** यह द्वीप हैन्येयो (Haenyeo) का घर है, जो विश्व प्रसिद्ध महिला गोताखोर हैं, और पारंपरिक पत्थर के संरक्षक जिन्हें डोल हरुबांग (Dol Hareubang) कहा जाता है।
- **पर्यटन केंद्र:** "कोरिया का हवाई" कहा जाने वाला जेजू प्राकृतिक सौंदर्य, वेलनेस रिट्रीट और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य है।

4. **ग्लोबल स्पेस एक्सप्लोरेशन कॉन्फ्रेंस (GLEX):** हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) ने मानव अंतरिक्ष अन्वेषण पर संयुक्त इरादे के वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए। यह हस्ताक्षर नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल स्पेस एक्सप्लोरेशन कॉन्फ्रेंस (GLEX) – 2025 के अवसर पर किए गए।

- **ग्लोबल स्पेस एक्सप्लोरेशन कॉन्फ्रेंस (GLEX) के बारे में:** यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच है जो अग्रणी अंतरिक्ष एजेंसियों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को एकत्रित करता है ताकि अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य पर चर्चा की जा सके।
  - इसे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष संघ (IAF) द्वारा मेजबान देशों के सहयोग से आयोजित किया जाता है। GLEX अंतरिक्ष सहयोग और नवाचार के लिए उपलब्धियों, रणनीतियों और दृष्टिकोणों को साझा करने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है।
- **उद्देश्य:**
  - रोबोटिक और मानव अंतरिक्ष अभियानों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
  - सरकारी और निजी अंतरिक्ष क्षेत्रों से तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित करना।
  - बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और सतत अन्वेषण रणनीतियों को बढ़ावा देना।
  - गहरे अंतरिक्ष अभियानों, उपग्रह प्रणालियों, अंतरिक्ष कानून और नीतियों में आने वाली चुनौतियों का समाधान करना।

5. **वर्ल्ड बैंक लैंड कॉन्फ्रेंस 2025:** हाल ही में, भारत ने वर्ल्ड बैंक लैंड कॉन्फ्रेंस 2025 में SVAMITVA (स्वामित्व) योजना को कंट्री चैंपियन के रूप में प्रस्तुत किया। यह सम्मेलन वाशिंगटन डीसी में आयोजित किया जा रहा है।

- **वर्ल्ड बैंक लैंड कॉन्फ्रेंस के बारे में:**वर्ल्ड बैंक लैंड कॉन्फ्रेंस में वैश्विक विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और भूमि अधिकार अधिवक्ताओं को आमंत्रित किया गया। इसका उद्देश्य भूमि शासन, स्वामित्व सुरक्षा, जलवायु सहनशीलता और समावेशी विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है।

- थीम: **"सतत विकास के लिए भूमि अधिकार सुरक्षित करना"** - इसमें जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और भूमि-आधारित संघर्ष जैसी बढ़ती चुनौतियों के संदर्भ में सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति के लिए समान भूमि नीतियों की भूमिका पर जोर दिया गया।

- **स्वामित्व योजना के बारे में:** पंचायती राज मंत्रालय की यह केंद्रीय क्षेत्र योजना, गांवों के घर मालिकों को भूमि का 'अधिकार रिकॉर्ड' प्रदान करती है। इसके तहत, ड्रोन तकनीक के माध्यम से भूमि के टुकड़ों का नक्शा बनाकर संपत्ति के मालिकों को संपत्ति कार्ड (कानूनी स्वामित्व दस्तावेज) जारी किए जाते हैं।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल भूमि रिकॉर्ड तैयार करना।
  - ग्रामीण निवासियों को संपत्ति कार्ड (कानूनी स्वामित्व दस्तावेज) जारी करना।
  - भूमि विवादों को कम करना और गांवों में जीवनयापन में सुधार करना।
  - संपत्ति के उपयोग को ऋण और अन्य आर्थिक लाभों के लिए एक वित्तीय संपत्ति के रूप में सक्षम बनाना।

6. **आयुर्वेदिक पांडुलिपियाँ:** हाल ही में, केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद ने दो दुर्लभ आयुर्वेदिक पांडुलिपियों - **द्रव्यरत्नाकर निघंटु** और **द्रव्यनामाकार निघंटु** को पुनरीक्षित किया है।

- **द्रव्यरत्नाकर निघंटु के बारे में:**
  - **लेखक:** मुद्गल पंडित
  - **रचना काल:** लगभग 1480 ईस्वी
  - **मुख्य विशेषताएँ:** 18 अध्यायों में संरचित, जिसमें औषधियों के पर्यायवाची, चिकित्सीय क्रियाएं और सूत्रीकरण शामिल हैं।
    - ✓ **धन्वंतरि निघंटु** और **राजा निघंटु** जैसे शास्त्रीय ग्रंथों के संदर्भों का समावेश है।
    - ✓ कई पहले से अप्रकाशित औषधीय पदार्थों का उल्लेख करता है।
    - ✓ 19वीं सदी तक महाराष्ट्र में एक प्रमुख संदर्भ स्रोत के रूप में उपयोग किया गया।
    - ✓ प्रसिद्ध आयुर्वेद विद्वान **डॉ. एस.डी. कामत** द्वारा पुनरीक्षित और समालोचित किया गया।
- **द्रव्यनामाकार निघंटु के बारे में:**
  - **लेखक के रूप में माने जाते हैं:** भिष्म वैद्य

- **काल:** अज्ञात; इन्हे धन्वंतरि निघंटु के बाद का माना जाता है।
- **मुख्य विशेषताएँ:** एक **विशेषज्ञ परिशिष्ट** के रूप में कार्य करते थे, विशेषकर **धन्वंतरि निघंटु** के लिए।
  - ✓ इसमें 182 श्लोक शामिल हैं, जो आयुर्वेदिक औषधि नामों के समानार्थकों पर केंद्रित हैं।
  - ✓ रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना के लिए महत्वपूर्ण औषधि नामों पर स्पष्टीकरण प्रदान करता है।
  - ✓ आयुर्वेदिक औषधि विज्ञान में पाठ्य विसंगतियों को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - ✓ इसे भी **डॉ. एस.डी. कामत** द्वारा संपादित और विश्लेषित किया गया है, जो **दुर्लभ आयुर्वेदिक शब्दकोशों** को पुनरीक्षित करने के लिए जाने जाते हैं।

7. **संशोधित शक्ति (SHAKTI):** हाल ही में, कैबिनेट ने **SHAKTI ((भारत में पारदर्शी तरीके से कोयला दोहन और आवंटन योजना)** नीति के संशोधित संस्करण को विद्युत क्षेत्र के लिए कोयला आवंटन हेतु मंजूरी दी।

- **इसके बारे में:** संशोधित नीति के तहत, कोयला आवंटन को दो तंत्रों - विंडो-I और विंडो-II के माध्यम से सरल बनाया गया है। इसका उद्देश्य व्यवसाय करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान में मौजूद आठ आवंटन श्रेणियों को सुव्यवस्थित करना है।
  - **विंडो-I के अंतर्गत:** टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (**TBCB**) या मौजूदा पावर परचेज एग्रीमेंट (**PPAs**) के माध्यम से कोयला आवंटित किया जाएगा।
  - **विंडो-II:** सभी थर्मल पावर संयंत्रों को सूचित मूल्य से अधिक प्रीमियम पर नीलामी के माध्यम से कोयला प्राप्त करने की अनुमति देता है। ये लिंकेज 12 महीने से 25 वर्षों तक की अवधि के लिए उपलब्ध होंगे।
- **संशोधित योजना की प्रमुख विशेषताएँ:** पारदर्शी, नीलामी-आधारित प्रणाली के माध्यम से सुव्यवस्थित कोयला आवंटन।
  - मध्यम अवधि के पावर परचेज एग्रीमेंट्स (PPAs) को कोयला आपूर्ति से जोड़ने की अनुमति।
  - बिजली की मांग को पूरा करने के लिए बिना अनुबंधित क्षमता वाले पावर प्लांट्स को कोयला आपूर्ति में प्राथमिकता।
  - राज्य और निजी विद्युत उत्पादकों के लिए कोयला लिंकेज को सरल बनाया गया है, जिससे प्रतिस्पर्धा और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा।